स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस

दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला का आयोजन

(03.11.2025 से 18.11.2025)

सीएसजेएमयू में दो हफ्ते तक चलेगी कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो सप्ताह तक चलने वाली फिजियोथेरेपी कार्यशाला की शुरुआत हुई।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता डा योगश मन्धयान विभागाध्यक्ष फिजियोथिरैपी अपोलोमेडिक्स हास्पिटल लखनऊ ने 'मुलीगन टेक्नीक' विषय पर विचार व्यक्त किए। कहा कि न्यूजीलैण्ड में विकसित इस तकनीक में बिना दर्द के जोड़ों के जाम को खोला जाता है। विभिन्न तरह के दर्द से निजात पाने के लिये इस पद्धति का उपयोग किया जाता है। संस्थान के निदेशक डा मुनीश रस्तोगी ने कहा कि मुलिगन टेक्नीक का उपयोग सीखकर विद्यार्थी जरूरतमंदों को अत्याधुनिक उपचार सुविधायें प्रदान करने में सक्षम होंगे तथा इस पद्धति का प्रयोग कर विद्यार्थी अपनी कौशलता को बढ़ावा दे सकते हैं।

• फिजियोथेरेपी कार्यशाला में दी गई जानकारी

दिनांक 03 नवम्बर, 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला का शुभारंभ हुआ, जो विशेषकर फिजियोथेरेपी के छात्र–छात्राओं के लिए है। इस वर्कशॉप ने केवल प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को ही नहीं बढ़ाया है, बल्कि उन्हें फिजियोथेरेपी की दुनिया में मूल्यवान दृष्टिकोण भी प्रदान किया है। इस कार्यशाला में दिनांक 03 व 04 नवम्बर 2025 को मुख्य वक्ता डा0 योगश मन्धयान, विभागाध्यक्ष, फिजियोथिरैपी, अपोलोमेडिक्स हास्पिटल, लखनऊ, ने ''मुलीगन टेक्नीक'', विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि न्यूजीलैण्ड में विकसित इस तकनीक में बिना दर्द के जोड़ों के जाम को खोला जाता है एवं विभिन्न तरह के दर्द से निजात पाने के लिये इस पद्धति का उपयोग किया जाता है। आज की दो दिवसीय कार्यशाला इसी विषय पर है, जिसमें फिजियोथिरैपी के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे।

दिनांक 06 व 07 नवम्बर, 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला के क्रम में मुख्य वक्ता डा0 सचिन कुमार, स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, हीलिंग हैण्ड्स एडूसॉल, हिसार ने ''बेसिक लेवल ट्रिगर पॉइंट ड्राई नीडलिंग'' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रिगर पॉइंट ड्राई नीडलिंग एक आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीक है जो मांसपेशियों में दर्द और तनाव को दूर करने में मदद करती है। यह तकनीक फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा उपयोग की जाती है ताकि मरीजों को दर्द से मुक्ति मिल सके। यह तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है।

कार्यक्रम में शामिल छात्र-छात्राएं।

मांसपेशियों में दर्द को दूर करने में मदद करती है आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीक

कानपुर, 11 नवम्बर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला के क्रम में मुख्य वक्ता एसबीएस विवि देहरादून से आये डा. अरुणमोझी रंगनाथन ने मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक एक आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीक है जो मांसपेशियों में दर्द और तनाव को दूर करने में मदद करती है। यह तकनीक फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा उपयोग की जाती है ताकि मरीजों को दर्द से मुक्ति मिल सके। यह तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है। संस्थान के निदेशक डा. मुनीश रस्तोगी ने कहा कि मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक का प्रयोग विभिन्न प्रकार की मांसपेशियों में दर्द से होने वाले रोगों के उपचार में मदद करता है तथा उन्होंने मायोफेशियल रिलीज एवं एक्यूपंक्चर के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। विश्वविद्यालय के एसो. डीन प्रशासन डा. दिग्विजय शर्मा ने बताया कि मायोफेशियल रिलीज एक प्रभावी तकनीक है। यह कार्यशाला फिजियोथेरेपिस्टों को मायोफेशियल रिलीज की प्रक्रिया, अनुप्रयोग तथा सावधानियों को समझने में मदद करती है तथा अपने व्यावसायिक कौशलों में सुधार करने और अपने कैरियर में आगे बढ़ने में सहायता प्रदान करती है। संस्थान की सहायक निदेशिका डा. हिना वैश्य ने अतिथि स्वागत करते हुये कार्यक्रम की दिशा प्रदान की। कार्यशाला के समन्वयक डा. नेहा शुक्ला (पी.टी.) एवं डा. आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और वर्कशॉप में आने वाले छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के रूप में महत्वपूर्ण दर्शाया। उन्होंने वर्कशॉप को छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने की आशा जताई, जिससे उन्हें अद्भुत फिजियोथेरेपिस्ट बनने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ. चन्द्रशेखर कुमार (पीटी), डॉ. उमेश कुमार मौर्या (पीटी), श्री अमित अग्रवाल, श्री विनय कुमार शाह, सुश्री खुशबू अंजुम आदि उपस्थित रहे।

विवि स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में शुरू हुई दो सप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला

दिनांक '10 व 11 नवम्बर 2025' को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला के क्रम में मुख्य वक्ता 'डा० अरुणमोझी रंगनाथन, ''प्रोफेसर, एस.बी.एस. विश्वविद्यालय देहरादून' ने '''मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक''' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मायोफेशियल रिलीज टेक्नीक एक आधुनिक फिजियोथेरेपी तकनीक है जो मांसपेशियों में दर्द और तनाव को दूर करने में मदद करती है। यह तकनीक फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा उपयोग की जाती है ताकि मरीजों को दर्द से मुक्ति मिल सके। यह

तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है।

दिनांक 12 व 13 नवम्बर, 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला के क्रम में दो दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स इन थेरेप्यूटिक टेपिंग मॉड्यूल–1 एण्ड 2 वर्कशॉप का शुभारंभ हुआ, जो विशेषकर फिजियोथेरेपी के छात्र–छात्राओं के लिए है। इस वर्कशॉप ने केवल प्रतिभागियों के ज्ञान और कौशल को ही नहीं बढ़ाया है, बल्कि उन्हें फिजियोथेरेपी की दुनिया में मूल्यवान दृष्टिकोण भी प्रदान किया है। वर्कशॉप की शुरुआत संस्थान के निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी के द्वारा की गई, जिन्होंने इस नई तकनीक को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया तथा आने वाले मरीजो पर भी प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय के एसो० डीन प्रशासन डा० दिग्विजय शर्मा ने भविष्य में इस प्रकार के व्यावसायिक प्रशिक्षण के आयोजन हेतु प्रेरित किया, उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। शहीद भगत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डा० अरूणमोझी रंगनाथन ने कहा कि हम भविष्य में भी ऐसे वर्कशॉप्स और कोर्सेस का आयोजन होने की उम्मीद करते हैं, जिनके माध्यम से फिजियोथेरेपी और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा दिया जा सके।

टेपिंग एप्टीट्यूड इण्डिया के निदेशक एवं प्रशिक्षक डॉ रोहित श्रीवास्तव वर्कशॉप के प्रमुख वक्तव्यकर्ता ने सर्टिफिकेट कोर्स इन थेरेप्यूटिक टेपिंग मॉड्यूल–1 एण्ड 2 के उपयोग से रोगी को सुधारने में कैसे मदद कर सकता है, इस पर विचार किया। उन्होंने इसके आधार पर वास्तविक उपयोग के उदाहरण प्रस्तुत किए। डॉ रोहित ने विभिन्न टेपिंग तकनीकों का विवरण दिया और बताया कि ये कैसे फिजियोथेरेपी में प्रयोग किए जा सकते हैं। वर्कशॉप में कई प्रैक्टिकल डेमोन्स्ट्रेशन्स भी शामिल थे, जिनमें थेरेप्यूटिक टेपिंग मॉड्यूल–1 एण्ड 2 की व्यवस्थित तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, जिससे प्रतिभागी छात्रों तकनीकों को समझने में मदद मिलती है। वर्कशॉप के दौरान छात्रों के बीच व्यावसायिक चर्चाएं भी हुई, जिसमें उन्होंने विभिन्न पहलुओं के बारे में चर्चा की और अपने सवालों के उत्तर प्राप्त किए।

न्यूरो मेकैनिक्स के मूल तथ्य समझाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में कार्यशाला आयोजित हुई। फिजियोथेरेपी कार्यशाला में युवाओं को न्यूरो मेकैनिक्स के मूल तथ्यों को समझाया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने मरीजों को बेहतरी, तकनीकी व वैज्ञानिक तरीकों के साथ ठीक करने के टिप्स भी दिए।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता लेक्चरर गवर्नमेन्ट फिजियोथेरेपी कालेज रायपुर के डॉ. मनोज कुमार देशमुख ने 'फिजियोथेरेप्यूटिक एप्रोचेस इन न्यूरो रिहैबिलिटेशन' में प्रयोग होने वाले न्यूरो मेकैनिकस् विषय पर विचार व्यक्त किए। कहा कि यह तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है। जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है। यह वर्कशाप नवीनतम न्यूरो मेकैनिक्स तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करता है। जिससे फिजियोथेरेपिस्ट मरीजों को बेहतर सेवायें प्रदान कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के डीन प्रशासन डॉ. दिग्विजय शर्मा ने कहा कि न्यूरो रिहैबिलिटेशन से सम्बन्धित यह कार्यशाला फिजियोथेरेपिस्टों को न्यूरो मेकैनिक्स की मूल बातों और इसके अनुप्रयोगों को समझने में मदद करती है। संस्थान की सहायक निदेशिका डॉ. हिना वैश्य ने कहा कि फिजियोथेरेपिस्ट बनने में वर्कशॉप अनुभव प्रदान करेगा। जो क्लिनिकल सेटिंग्स में सीधे लागू होगा। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. नेहा शुक्ला व डॉ. आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने वर्कशॉप को छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान बताया।

कार्यशाला में मौजूद प्रतिभागी और अतिथि। अमृत विचार

दिनांक 17 व 18 नवम्बर, 2025 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस में माननीय कुलपति प्रो० विनय कुमार पाठक जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला के क्रम में मुख्य वक्ता डा0 मनोज कुमार देशमुख, लेक्चरर गवर्नमेन्ट फिजियोथेरेपी कालेज रायपुर, छत्तीशगढ़, ने ''फिजियोथेरेप्यूटिक एप्रोचेस इन न्यूरो रिहैबिलिटेशन'' में प्रयोग होने वाले न्यूरोडायनेमिक्स विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह तकनीकी सिद्धान्तों एवं तकनीकों पर केंद्रित है जो फिजियोथेरेपी में नवीनतम अनुसंधान और विकास को दर्शाता है। यह वर्कशाप नवीनतम न्यूरोडायनेमिक्स तकनीकों का प्रशिक्षण प्रदान करता है जिससे फिजियोथेरेपिस्ट अपने मरीजों को बेहतर सेवायें प्रदान कर सकते हैं।

संस्थान की सहायक निदेशिका ने मंच का संचालन करते हुये कहा कि वर्कशॉप से छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने की आशा जताई, जिससे उन्हें अद्भुत फिजियोथेरेपिस्ट बनने में मदद मिलेगी।

उन्होंने प्रतिभागियों को सलाह दी कि वर्कशॉप प्रातिक्रियात्मक ज्ञान और हैंड्स–ऑन अनुभव प्रदान करेगा, जो क्लिनिकल सेटिंग्स में सीधे लागू होगा। कार्यशाला के समन्वयक डा० नेहा शुक्ला(पी.टी.) एवं डा० आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और वर्कशॉप में आने वाले छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के रूप में महत्वपूर्ण दर्शाया। उन्होंने वर्कशॉप को छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने की आशा जताई, जिससे उन्हें अद्भुत फिजियोथेरेपिस्ट बनने में मदद मिलेगी।

इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ. चन्द्रशेखर कुमार (पीटी), डॉ. उमेश कुमार मौर्या (पीटी), श्री अमिल अग्रवाल, श्री विनय कुमार शाह, सुश्री खुशबू अंजुम आदि उपस्थित रहे।

संस्थान के निदेशक डा० मुनीश रस्तोगी के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के डीन प्रशासन डा० दिग्विजय शर्मा ने कहा कि न्यूरो रिहैबिलिटेशन से सम्बन्धित यह कार्यशाला फिजियोथेरेपिस्टों को न्यूरोडायनेमिक्स की मूल बातों और इसके अनुप्रयोगों को समझने में मदद करता है तथा अपने व्यावसायिक कौशलों में सुधार करने और अपने कैरियर में आगे बढ़ने में मदद करता है।

छात्रों ने सीखी न्यूरो मैकेनिक्स तकनीक

कानपुर। सीएसजेएमयू के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस में दो साप्ताहिक फिजियोथेरेपी कार्यशाला में बुधवार को फिजियोथेरेपी कॉलेज,रायपुर छत्तीसगढ़ के डॉ. मनोज कुमार देशमुख ने फिजियोथेरेप्यूटिक एप्रोचेस इन न्यूरो रिहैबिलिटेशन के बारे में जानकारी दी। नए न्यूरो मैकेनिक्स तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। फिजियोथेरेपिस्ट अपने मरीजों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें। संस्थान के निदेशक डॉ. मुनीश रस्तोगी व डॉ. दिग्विजय शर्मा ने न्यूरो मेकैनिक्स की मूल बातों और इसके अनुप्रयोगों को समझया। संचालन डॉ. हिना वैश्य ने किया।

संस्थान की सहायक निदेशिका ने मंच का संचालन करते हुये कहा कि अद्भुत फिजियोथेरेपिस्ट बनने में वर्कशॉप प्रतिक्रियात्मक ज्ञान और हैंड्स–ऑन अनुभव प्रदान करेगा, जो क्लिनिकल सेटिंग्स में सीधे लागू होगा। कार्यशाला के समन्वयक डा० नेहा शुक्ला(पी.टी.) एवं डा० आदर्श कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और वर्कशॉप में आने वाले छात्रों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के रूप में महत्वपूर्ण दर्शाया। उन्होंने वर्कशॉप को छात्रों के पेशेवर विकास में महत्वपूर्ण योगदान करने की आशा जताई, जिससे उन्हें अद्भुत फिजियोथेरेपिस्ट बनने में मदद मिलेगी। इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक डॉ. चन्द्रशेखर कुमार (पीटी), डॉ. उमेश कुमार मौर्या (पीटी), श्री अमिल

अग्रवाल, श्री विनय कुमार शाह, सुश्री खुशबू अंजुम आदि उपस्थित रहे।